ज्योत जगे दिन रात

^ज्योत जगे,,,,, ज्योत जगे,,,,, ,
ज्योत जगे दिन रात, मईया जी तेरी ज्योत जगे ॥
नूर, सदा तेरे भवन पे बरसे* ।
दर्शन, करने को मन तरसे* ।
सुनो, ज्वाला मात, मईया जी तेरी ज्योत जगे ।
ज्योत जगे दिन रात, मईया जी तेरी ज्योत जगे ॥

तेरी ज्योत, ज्वाला रानी*, "तन मन शीतल, करे भवानी" ।
भक्तों के सब, संकट हरदो*, "करदो जी माँ, अम्बे करदो" ॥
खुशियों, की बरसात, मईया जी तेरी ज्योत जगे ।
ज्योत जगे दिन रात, मईया जी तेरी,,,,,,,,,,,,,,,,,F

वोह अंबर के, चाँद सितारे*, "किए ज्योत ने, रौशन सारे" ।
जग में है, उजाला जिसका*, "मैं भी दर्शन, कर लूँ उसका" ॥
कब, होगी प्रभात, मईया जी तेरी ज्योत जगे ।
ज्योत जगे दिन रात, मईया जी तेरी,,,,,,,,,,,,,,,,,F

यह सारी ही, दुनियां फ़ानी*, "तेरी ज्योत की, है दीवानी" ।
बिना तेल और, बिना ही बाती*, "ज्योत सदा, प्रचंड है दाती" ॥
तेरी, क्या है बात, मईया जी तेरी ज्योत जगे ।
ज्योत जगे दिन रात, मईया जी तेरी,,,,,,,,,,,,,,,,,F

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

स्वर : नरेन्द्र चंचल

https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/29397/title/jyot-jage-din-raat

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |